

अंदर क्रि.वि. (तद्.) 1. आंतरिक भाग में, भीतर, भीतर की ओर 2. अंतर्गत जैसे- आप का काम एक सप्ताह के अंदर अवश्य हो जाएगा, इस योजना के अंतर्गत (अंदर) अनेक महत्वपूर्ण-कार्यक्रम आते हैं पुं. 1. वह जो भीतरी भाग में स्थित हो 2. स्थान, मकान आदि का भीतरी हिस्सा।

अंदरूनी वि. (फा.) 1. अंदर का, आंतरिक, भीतरी 2. आपसी, घरेलू या वैयक्तिक।

अंदाज पुं. (फा.) 1. अनुमान, अटकल 2. ढंग, शैली, तौर-तरीका।

अंदाजन क्रि.वि. (फा.) 1. अनुमान से, अटकल से 2. लगभग, करीब-करीब।

अंदाजा पुं. (फा.) दे. अंदाज।

अंदु/अंदू स्त्री. (तत्.) 1. हाथी के पाँव में बाँधने की रस्सी अथवा जंजीर 2. स्त्रियों के पैरों का एक आभूषण, पाजेब, पैंजनी, नूपुर।

अंदेशा पुं. (फा.) 1. आशंका, खटका 2. भय।

अंध वि. (तत्.) 1. दृष्ट हीन 2. अंधकारयुक्त 3. ज्ञानशून्य, 'अंधा' का संक्षिप्त रूप जो समस्त पदों में प्रयुक्त होता है जैसे- अंध विद्यालय, अंधकूप, अंधविश्वास आदि।

अंधक पुं. (तत्.) 1. नेत्रविहीन व्यक्ति, दृष्टिहीन मनुष्य, अंधा आदमी 2. कश्यप तथा अदिति का पुत्र एक दैत्य टि. मत्स्य पुराण के अनुसार अंधक जब स्वर्ग के 'परिजात' वृक्ष को चुराने का प्रयत्न कर रहा था तभी शिव ने उसका वध कर दिया वि. दृष्टिहीन, अंधा।

अंधकक्ष पुं. (तत्.) 1. अंधेरी कोठरी 2. वह छोटा अँधेरा कमरा जिसमें फोटो की रील आदि धोते हैं। dark room

अंधकार पुं. (तत्.) वातावरण की प्रकाश-हीनता की वह अवस्था जिसमें कुछ दिखाई न देता हो मुहा. आँखों के आगे अंधकार छा जाना- पूर्ण रूप से हतप्रभ हो जाना, कुछ भी न सूझना, कुछ भी समझ में न आना।

अंधकारमय वि. (तत्.) अंधेरे से युक्त, अंधकार-पूर्ण।

अंधकार युग पुं. (तत्.) 1. किसी राष्ट्र विशेष के इतिहास में ऐसा कालखंड जिसमें अपेक्षित बौद्धिक-विकास न होपाया हो, बौद्धिक विकास की पिछड़ी हुई अवस्था का समय 2. किसी देश विशेष का ऐसा कालखंड जिसमें साहित्य, कला, ज्ञानसाधना, राजनीतिक सुव्यवस्था तथा आर्थिक समृद्धि आदि के विषय में जानकारी उपलब्ध न हो।

अंधकारि पुं. (तत्.) अंधकासुर का शत्रु, अंधक का संहार करने वाला, शिव, महादेव दे. अंधक।

अंधकूप पुं. (तत्.) ऐसा गहरा कुआँ जिसमें अँधेरा हो और कुछ दिखाई न पड़ता हो ना.अर्थ. ऐसी हताशा पूर्ण स्थिति जिसमें पड़कर विवश व्यक्ति को उबरने की संभावना न दिखाई दे।

अंधखोपड़ी वि. (तत्.+देश.) जिसके मस्तिष्क में अज्ञानांधकार समाया हो, मूर्ख, बेवकूफ।

अंधगति स्त्री. (तत्.) 1. अंधे मनुष्य के समान दुखावस्था, ज्ञानालोक विहीनता 2. किंकर्तव्य विमूढ़ता की स्थिति।

अंधघाती वि. (तत्.) 1. अंधकार का नाश करने वाला 2. अंधकार का नाश करने वाला 3. दीपक 4. अग्नि 5. महादेव, शिव 6. सूर्य।

अंधजाल पुं. (तत्.) 1. दूर तक फैला अंधकार, 2. घोर अँधेरा, घना अँधेरा।

अंधड़ पुं. (तत्.) धूलभरी तेज आँधी (जिसमें कुछ भी दिखाई न पड़े)।

अंधतमस पुं. (तत्.) गहन अंधकार, घोर अँधेरा ना.अर्थ. अज्ञान रूपी अंधकार।

अंधता स्त्री. (तत्.) दिखाई न देने का भाव; अंधापन, दृष्टि-हीनता।

अंधतामस पुं. (तत्.) दे. अंधतमस।

अंधतामिस्र पुं. (तत्.) 1. दे. अंधतामस 2. पुराणों में वर्णित एक नरक जिसे घोर अंधकार